Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

नवंबर 2022

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में झारखंड को मिला तीसरा स्थान 3
- मुख्यमंत्री ने मेदिनीनगर में 'आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार' कार्यक्रम में 57 योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास 4
- तीन आदिवासी रचनाकार को मिला प्रथम जयपाल-जुलियुस-हन्ना साहित्य पुरस्कार 4
- राँची की रचिता की 'मेडीसेवा' टॉप 75 वीमेनप्रेन्योर में 5
- सिंदरी प्लांट में नीम कोटेड यूरिया का उत्पादन शुरू 6
- खतियान आधारित स्थानीय नीति और ओबीसी आरक्षण विधेयक पारित 6
- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये झारखंड के 5 प्रमुख क्षेत्रों में बनेगा रोप-वे 7
- प्रभात खबर के पत्रकार नागेश्वर को मिला 'जनजातीय गौरव सम्मान' 7
- राँची में 'खेलो इंडिया वूमेन वुशु लीग' का उद्घाटन 8
- झारखंड राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप 8
- पलामू में इप्टा का 15वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन 9
- 2027 तक साइबर डिफेंस कॉरिडोर में होगा झारखंड 9
- जमशेदपुर के अनंत राणा बने 'आयरन मैन' 9
- भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की चार खिलाड़ी चयनित 10
- CUJ की पूजा कुमारी को मिला बेस्ट रिसर्च पेपर का अवार्ड 10
- राँची में एक्सपो उत्सव 2022 का आयोजन 11
- झारखंड के 6 लोगों को मिलेगा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 11
- झारखंड का शेफील्ड कहा जाने वाला भेंडरा में बनेगा फैसिलिटी कॉमन सेंटर 12

दृष्टि The Vision

नोट :

झारखंड

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में झारखंड को मिला तीसरा स्थान

चर्चा में क्यों ?

1 नवंबर, 2022 को केंद्र सरकार ने 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये चयनित विद्यालयों के नामों की घोषणा की जिसमें झारखंड को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान मिला है।

प्रमुख बिंदु

- 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये झारखंड के तीन विद्यालयों का चयन पुरस्कार हेतु किया गया है। तीनों चयनित विद्यालय माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें से दो विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के और एक शहरी क्षेत्र का है। इनमें सोनाहातू का कस्तूरबा गांधी विद्यालय, नोवामुंडी का कस्तूरबा गांधी विद्यालय, तथा कदमा का उ. वि. टाटा वर्कर्स यूनियन विद्यालय शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये देश भर से 39 विद्यालयों का चयन किया गया है, जिनमें सबसे अधिक 10 विद्यालय गुजरात के हैं।
- देश के 16 राज्यों से ही विद्यालय पुरस्कार के लिये चयनित हो सके, जिनमें से पाँच राज्य से दो-दो व सात राज्य से एक-एक विद्यालय का ही चयन हुआ है।
- 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये चयनित विद्यालयों को 19 नवंबर को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/वार्डेन व बाल संसद के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा तथा विद्यालयों को पुरस्कारस्वरूप 60 हज़ार रुपए व प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।
- विदित है कि स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार योजना में सरकारी व निजी, दोनों कोटि के स्कूल शामिल होते हैं। वर्ष 2021-22 के लिये 44878 स्कूलों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 2276 को फाइव स्टार ग्रेडिंग मिली है। वर्ष 2019-20 में 918 स्कूलों का चयन हुआ था तथा वर्ष 2017-18 में 212 स्कूलों को फाइव स्टार ग्रेडिंग मिली थी।
- 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' में देश के शीर्ष राज्य:

  1. गुजरात 10
  2. पुदुच्चेरी 06
  3. झारखंड 03
  4. महाराष्ट्र 03
  5. हरियाणा 02
  6. पंजाब 02
  7. राजस्थान 02
  8. उत्तर प्रदेश 02
  9. प. बंगाल 02

नोट :

मुख्यमंत्री ने मेदिनीनगर में 'आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार' कार्यक्रम में 57 योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

4 नवंबर 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में 'आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार'कार्यक्रम में 23,483.5 लाख रुपए की लागत से 57 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- पुलिस लाइन स्टेडियम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ पदाधिकारियों द्वारा लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने के साथ उन्हें लाभान्वित भी कराया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार'तहत पदाधिकारी सीधे लोगों के घर तक सरकार की योजनाओं को पहुँचाने का काम कर रहे हैं।
- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 9,234.428 लाख रुपए की लागत से विभिन्न पथों का निर्माण, सरोवर निर्माण एवं मरम्मत, तेतराई निर्माण, स्वास्थ्य केंद्र, चेक डैम, शवदाह गृह, चापाकल एवं शेड निर्माण, ग्रामीण जलापूर्ति योजना एवं भवन निर्माण जैसी 33 महत्त्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन किया।
- वहीं मुख्यमंत्री ने कुल 14,249.072 लाख रुपए की लागत के 24 योजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें रानीताल जलाशय योजना के पुनरुद्धार एवं मुख्य नहरों की लाइनिंग का कार्य, व्यावसायिक इकाई का निर्माण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सदर अस्पताल, पलामू अंतर्गत 100 बेड का भवन निर्माण, पर्यटकीय विकास कार्य, पुल निर्माण, सामुदायिक भवन, वार्ड विकास केंद्र का निर्माण, आवास, जलापूर्ति योजना, विभिन्न सड़कों की मरम्मत एवं निर्माण, पार्क का सौंदर्यीकरण, पेवर ब्लॉक एवं नाली निर्माण जैसी कई जन-कल्याणकारी योजना शामिल हैं।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कुल 25 लाभुकों के बीच कुल 1,688.940 लाख रुपए की राशि का वितरण किया, जिसमें सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की बच्चियों के बीच छात्रवृत्ति, पेंशन, रोज़गार सृजन, सहायता राशि, कृषि यंत्र, भूमि पटा, डेयरी के लिये गाय जैसी लोगों को स्वावलंबी बनाने की योजनाएँ शामिल हैं।

तीन आदिवासी रचनाकार को मिला प्रथम जयपाल-जुलियुस-हन्ना साहित्य पुरस्कार

चर्चा मे क्यों ?

6 नवंबर, 2022 को झारखंड के राँची में सह बहुभाषाई आदिवासी-देशज काव्यपाठ का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में किया गया, जिसके अंतर्गत प्रथम जयपाल-जुलियुस-हन्ना साहित्य पुरस्कार तीन आदिवासी साहित्यकारों को दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- सह बहुभाषाई आदिवासी-देशज काव्यपाठ का आयोजन यूके स्थित एएचआरसी रिसर्च नेटवर्क लंदन, टाटा स्टील फाउंडेशन और प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन के सहयोग से झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखाड़ा द्वारा किया गया।
- प्रथम जयपाल-जुलियुस-हन्ना साहित्य पुरस्कार अरुणाचल प्रदेश के तांग्सा आदिवासी रेमोन लोंग्कू (कोंग्कोंग-फांग्फांग), महाराष्ट्र के भील आदिवासी सुनील गायकवाड़ (डकैत देवसिंग भील के बच्चे) और धरती के अनाम योद्धा के लिये दिल्ली की उराँव आदिवासी कवयित्री उज्ज्वला ज्योति तिग्गा (मरणोपरांत) को दिया गया।
- आयोजन कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ गोजरी आदिवासी साहित्यकार जान मुहम्मद हकीम ने कहा कि अपने पुरखों को याद कर उन्हें तारीख के पन्नों में रखना हमारा फर्ज़ है। गोजरी भाषा जम्मू-कश्मीर में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली बोलियों में तीसरे स्थान पर है। इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

- अरुणाचल प्रदेश के तांग्सा आदिवासी रेमोन लोंग्कू ने कहा कि उन्हें यहाँ बहुत-कुछ सीखने का अवसर मिला है। उन्होंने कृषि कार्य के समय गाया जाने वाला गीत 'साइलो साइलाई असाइलाई चाई'(चलो गाते हैं गीत) सुनाया।
- महाराष्ट्र के भील आदिवासी सुनील गायकवाड़ ने कहा कि अंग्रेज़ों के जमाने में महाराष्ट्र में आदिवासी क्रांतिकारियों को तब की व्यवस्था डकैत कहती थी। 'डकैत देवसिंग भील के बच्चे' उनके दादा की कहानी है।
- डॉ. अनुज लुगुन ने कहा कि आदिवासी साहित्य जैविक व देशज स्वर के साथ अपनी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को विस्तार दे रहा है। आदिवासी साहित्य की अभिव्यक्ति वैयक्तिक नहीं है, बल्कि यह सामूहिक संवेदनाओं को आलोचनात्मक रूप से अभिव्यक्त कर रही है।

राँची की रचिता की 'मेडीसेवा'टॉप 75 वीमेनप्रेन्योर में

चर्चा में क्यों ?

7 नवंबर, 2022 को झारखंड के राँची की रचिता कासलीवाल का स्टार्टअप 'मेडीसेवा-अच्छी सेहत का वादा'को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय विज्ञान और जय अनुसंधान की श्रेणी में बेहतर पहल बताते हुए इसे देश भर के टॉप 75 वीमेनप्रेन्योर में चुना है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने आज़ादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर 'इनोवेशन फॉर यू'की पहल की थी, जिसमें खासकर महिलाओं के स्टार्टअप को शामिल किया गया।
- रचिता के 'मेडीसेवा' की पहल से वर्तमान में पाँच राज्यों को लाभ मिल रहा है तथा इसके अलावा इससे 400 से अधिक लोग सीधे रोज़गार से जुड़े है।
- रचिता ने बताया कि मेडीसेवा का आइडिया उन्हें कोरोना काल में ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा के अभाव को देख कर आया, जो समय के साथ फल-फूल रहा है। यह स्टार्टअप दिसंबर, 2020 से शुरू हुआ था तथा अब दिसंबर, 2022 से अंतर्राष्ट्रीय रुख करते हुए अपनी सेवा नेपाल में भी उपलब्ध कराएगा।
- रचिता ने बताया कि उनका स्टार्टअप ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सेवा की उपलब्धता पूरी कर रही है, जिसके तहत सुदूर ग्रामीण इलाकों में मेडिकल सेंटर तैयार किये जा रहे हैं, जहाँ लोगों को चिकित्सा परामर्श से लेकर स्पेशलिस्ट डॉक्टर से जोड़ा जा रहा है। मेडिकल सेंटर में जनरल फिजिशियन मेडिकल वाइटल मशीन के ज़रिये लोगों का प्राथमिक उपचार में मदद करते हैं और ज़रूरत पढ़ने पर सेंटर के डॉक्टर तकनीकी सुविधा से लेकर स्पेशलिस्ट डॉक्टर से ग्रामीणों को जोड़ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को बेहतर इलाज की सुविधा मिल रही है।
- ज्ञातव्य है कि मेडीसेवा वर्तमान में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और असम के ग्रामीण इलाकों में विस्तार कर चुकी है। इन राज्यों में 50 मेडिकल सेंटर ग्रामीण इलाके के लोगों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा रहे हैं।
- रचिता कहती हैं कि मेडीटेक के इस आइडिया को 12वीं पास व्यक्ति अपने रोज़गार के लिये अपना सकता है। इसके लिये व्यक्ति के पास 10×10 का जगह, कंप्यूटर, इंटरनेट व अन्य संसाधन होने चाहिये। इसके बाद संस्था से संपर्क कर फ्रेंचाइजी की औपचारिकता 5000 रुपए के साथ पूरी कर सकेंगे।
- इस रकम से 2500 रुपए और 18% टैक्स को फ्रेंचाइजी शुल्क के तौर पर लिया जाएगा। वहीं, शेष 1500 रुपए सेंटर के संचालक के वॉलेट में उपलब्ध करा दिये जाएंगे, जिससे व्यक्ति प्रारंभिक कंसल्टेंसी शुल्क को पूरा करा सके। इसके अलावा मेडिकल सेंटर की अन्य सुविधाएँ मेडीसेवा की तर्ज़ पर उपलब्ध कराई जाएंगी।
- रचिता के सबसे कम लागत से रोज़गार सृजन के आइडिया की वजह से इसे देश के वीमेनप्रेन्योर में जगह मिली है।
- गौरतलब है कि रचिता मेडीसेवा - ग्लोबल इंटरप्रेन्योर समिट 2022, ग्लोबल हैकथॉन 2022, हार्ट पिच कंपीटिशन 2022, टाइकॉन बिजनेस पिच कंपीटिशन 2022 की विजेता रही है। इसके अलावा वह स्टार्टअप इंडिया स्कीम के तहत 35 लाख रुपए व हॉर्सटेबल शो से 1.15 करोड़ रुपए की सीड फंडिंग हासिल कर चुकी हैं।

सिंदरी प्लांट में नीम कोटेड यूरिया का उत्पादन शुरू

चर्चा में क्यों?

8 नवंबर, 2022 को झारखंड में हिंदुस्तान उर्वरक एव रसायन लिमिटेड (HURL) के सिंदरी प्लांट में नीम कोटेड यूरिया का उत्पादन का काम शुरू हो गया।

प्रमुख बिंदु

- इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर बधाई देते हुए कहा कि भारत यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भर हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत के सपने की तरफ कदम बढ़ाते हुए मेड इन इंडिया यूरिया उत्पादन होने से देश के किसानों को इसका काफी लाभ मिलेगा।
- गौरतलब है कि भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड (एफसीआईएल) की मौजूदा सिंदरी उर्वरक इकाई झारखंड राज्य के धनबाद ज़िले में स्थित है।
- हर्ल प्रोजेक्ट सिंदरी की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 मई, 2018 को रखी थी। कारखाने से यूरिया का उत्पादन 31 दिसंबर, 2020 को होना था, परंतु वैश्विक महामारी कोविड के कारण प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ और उत्पादन के अपने निर्धारित समय से पिछड़ गया। कोरोना के कारण हर्ल प्रोजेक्ट से यूरिया उत्पादन निर्धारित लक्ष्य से लगभग 22 महीने बाद शुरू हुआ।
- उल्लेखनीय है कि यूरिया के ऊपर नीम के तेल का लेप कर दिया जाता है, जिसके कारण इसे नीम कोटेड यूरिया कहा जाता है। यूरिया के ऊपर नीम का लेप नाइट्रीफिकेशन अवरोधी के रूप में कार्य करता है।
- नीम लेपित यूरिया धीमी गति से प्रसारित होता है, जिसके कारण फसलों की आवश्यकता के अनुरूप नत्रजन पोषक तत्त्व की उपलब्धता होती है एवं फसल उत्पादन में वृद्धि होती है।

खतियान आधारित स्थानीय नीति और ओबीसी आरक्षण विधेयक पारित

चर्चा में क्यों?

11 नवंबर, 2022 को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति और ओबीसी आरक्षण विधेयक ध्वनिमत से पारित करा लिया।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिये विधेयक-2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन में रखा। विपक्ष की ओर से इसमें कई संशोधन आए, प्रवर समिति को भेजने का भी प्रस्ताव आया, लेकिन सरकार ने इसे ध्वनिमत से इन्कार कर दिया।
- इस विधेयक के मुताबिक वे लोग झारखंड के स्थानीय अथवा मूल निवासी कहे जाएंगे, जिनका या जिनके पूर्वजों का नाम 1932 या उससे पहले के खतियान में दर्ज है।
- जिनका नाम खतियान में दर्ज नहीं होगा अथवा जिनका खतियान खो गया हो या नष्ट हो गया हो, ऐसे लोगों को ग्राम सभा सत्यापित करेगी कि वे झारखंड के मूल निवासी हैं या नहीं। भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में, स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा द्वारा संस्कृति, स्थानीय रीति-रिवाज, परंपरा आदि के आधार पर की जाएगी।
- विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने विधेयक में थर्ड एवं फोर्थ ग्रेड की नौकरी को स्थानीयता की नीति को नियोजन नीति से जोड़ा और कहा कि 1932 का खतियान जिन लोगों के पास होगा, वे लोग ही थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी के पात्र होंगे।
- 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता का विस्तार पूरे झारखंड में होगा। ये अधिनियम भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल होने के बाद प्रभावी होगा।
- स्थानीय व्यक्तियों का अर्थ झारखंड का अधिवास (डोमिसाइल) होगा, जो एक भारतीय नागरिक है और झारखंड की क्षेत्रीय एवं भौगोलिक सीमा के भीतर है और उसके या उसके पूर्वजों का नाम 1932 या उससे पहले के सर्वेक्षण/खतियान में दर्ज है।

- इस अधिनियम के तहत परिभाषित स्थानीय व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और रोज़गार/बेरोज़गारी के संबंध में राज्य की सभी योजनाओं और नीतियों के हकदार होंगे तथा उन्हें अपनी भूमि, रोज़गार या कृषि ऋण/ऋण आदि पर विशेषाधिकार और संरक्षण प्राप्त होगा।
- इस अधिनियम के तहत परिभाषित स्थानीय व्यक्ति प्राथमिकता के आधार पर अपने भूमि रिकॉर्ड को बनाए रखने के भी हकदार होंगे, जैसा नियम के तहत निर्धारित और विनियमित किया जा सकता है।
- इस अधिनियम के तहत परिभाषित स्थानीय व्यक्ति राज्य में व्यापार और वाणिज्य के लिये विशेष रूप से पारंपरिक और सांस्कृतिक उपक्रमों से संबंधित स्थानीय वाणिज्यिक सांस्कृतिक उपक्रमों और स्थानीय झीलों/नदियों/मत्स्य पालन पर अधिमान्य अधिकार के भी हकदार होंगे।
- इसके अलावा विधानसभा में ओबीसी आरक्षण बिल भी पास हुआ। राज्य में अब 77 फीसदी आरक्षण होगा। पिछड़ा वर्ग (OBC) को 27 फीसदी, अनुसूचित जनजाति (ST) को 28 फीसदी और अनुसूचित जाति (SC) को 12 फीसदी आरक्षण मिलेगा।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये झारखंड के 5 प्रमुख क्षेत्रों में बनेगा रोप-वे

चर्चा में क्यों?

13 नवंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार, भारत सरकार के नेशनल रोप-वे प्रोग्राम पर्वतमाला के तहत झारखंड के बोकारो ज़िले के लुगू बुरू घांटाबाड़ी और धनबाद ज़िले के मैथन समेत राज्य के पाँच प्रमुख पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये रोप-वे का निर्माण कराया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- रोप-वे निर्माण के लिये झारखंड के पथ निर्माण विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को भेज दिया है।
- राज्य की भौगोलिक संरचना, सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों को देखते हुए राज्य के पथ निर्माण विभाग ने भारत सरकार के नेशनल रोप-वे प्रोग्राम पर्वतमाला के तहत इन पाँचो प्रोजेक्ट को शामिल करने फैसला लिया है तथा भारत सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद इसके निर्माण की दिशा में आगे की कार्यवाही की जाएगी।
- झारखंड में पहले चरण में धनबाद के मैथन, बोकारो के लुगू बुरू घांटाबाड़ी, नेतरहाट, सारंडा (नोवामुंडी) और दलमा पहाड़ी क्षेत्र को शामिल किया जा रहा है।
- राज्य के नेतरहाट (क्वीन ऑफ छोटानागपुर) में करीब चार किमी. लंबा रोप-वे बनाने तथा पश्चिमी सिंहभूम के नोवामुंडी के सारंडा में करीब पाँच किमी. लंबा रोप-वे निर्माण के लिये प्रस्ताव भेजा गया है।
- विभाग के अनुसार यह एशिया का सबसे बड़ा साल फॉरेस्ट है। इसके अलावा जमशेदपुर के पास दलमा में भी पाँच किमी. लंबा रोप-वे का प्रस्ताव तैयार करके भेजा गया है।
- विदित है कि दलमा एक वाइल्ड लाइफ सेंचुरी है।
- पथ निर्माण विभाग ने मैथन में करीब डेढ़ किमी. लंबा रोप-वे बनाने का जो प्रस्ताव भेजा है, उसे स्पून आइलैंड बताया गया है।
- बोकारो ज़िले में लुगू बुरू घांटाबाड़ी में जो चार किमी. लंबा रोप-वे बनेगा, वह गोमिया प्रखंड के लुगू हिल में बनेगा, जहाँ कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर बड़ी संख्या में संथाली ट्राइबल धार्मिक प्रयोजन के लिये जमा होते हैं।

प्रभात खबर के पत्रकार नागेश्वर को मिला 'जनजातीय गौरव सम्मान'

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के प्रभात खबर अखबार के पत्रकार नागेश्वर को भगवान बिरसा मुंडा की 147वीं जयंती की पूर्व संध्या पर झारखंड इंटेलेक्चुअल फोरम एवं प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत के सौजन्य से मुंबई के नरीमन प्वाइंट पर स्थित यशवंत राव सेंटर में आयोजित समारोह में 'जनजातीय गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम में झारखंड के सबसे ज्यादा प्रसारित हिन्दी दैनिक प्रभात खबर के बारे में विस्तार से बताया गया। आयोजकों ने कहा कि प्रभात खबर झारखंड में तो नंबर वन अखबार है ही, उसने कई राज्यों में भी मज़बूत उपस्थिति दर्ज कराई है।
- विदित है कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत को सामने लाने का कार्य बिरसा मुंडा ने किया था। आदिवासी धरोहर और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को हर साल उनकी जयंती पर याद किया जाता है। पिछले साल 2021 में केंद्र सरकार ने बिरसा मुंडा की जयंती को देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।
- समारोह के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने बताया कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के क्रांतिकारी महानायक थे। महाराष्ट्र में झारखंडी मूल के लोगों को उनकी गाथा से अवगत कराकर महाराष्ट्र में झारखंड के लोगों को संगठित करने का प्रयास किया गया है।

राँची में 'खेलो इंडिया वूमेन वुशु लीग' का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

17 नवंबर, 2022 को झारखंड की खेल निदेशक सरोजनी लकड़ा ने राज्य के राँची के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में 'खेलो इंडिया वूमेन वुशु लीग' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर सरोजनी लकड़ा ने बताया कि झारखंड सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग कर रही है। उन्होंने महिलाओं को अपनी शक्ति पहचानने की भी प्रेरणा दी।
- इस प्रतियोगिता में राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मेज़बान झारखंड के 700 खिलाड़ी और अधिकारी भाग ले रहे हैं।
- गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वालों को कुल 45 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

झारखंड राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों?

18-20 नवंबर, 2022 को झारखंड जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन राँची के खेल गाँव स्टेडियम में किया गया, जिसमें पलामू को दो ब्रोंज मेडल मिले हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में पूरे राज्य से 1000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- राज्य के जूडो कोच सेंसई सुमित वर्मन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पहली बार पलामू के चार खिलाड़ियों ने भाग लिया और इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।
- राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने खिलाड़ियों से प्रभावशाली प्रदर्शन कराने में सफल रहे जूडो कोच सेंसई सुमित वर्मन को पलामू ज़िले के बेस्ट कोच के सम्मान से सम्मानित किया गया।
- पलामू के मेडिनगर के ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के अश्विन कुमार सब जूनियर केटेगरी में माइनस 50 किग्रा. से खेलते हुए बोकारो, धनबाद, गिरिडीह को हराते हुए सेमीफाइनल राउंड में पहुँचे, जबकि द कराटे एकेडमी के सौरभ कुमार ने माइनस 50 किग्रा. वेट कैटेगरी से खेलते हुए राँची के खिलाड़ियों को अपने टेक्निक से चित करते हुए ब्रोंज मेडल हासिल किया। जूनियर कैटेगरी में पलामू के राम प्रताप सिंह ने 55 किग्रा. वेट कैटेगरी से खेलते हुए कोडरमा के खिलाड़ियों को हराकर ब्रॉन्ज हासिल किया।

पलामू में इप्टा का 15वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

20 नवंबर, 2022 को झारखंड के पलामू के जेलहाता स्थित इप्टा के राज्य अध्यक्ष डॉ. अरुण शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बताया गया कि इप्टा (IPTA) का 15वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन सह अखिल भारतीय सांस्कृतिक समारोह 17 से 19 मार्च, 2023 को पलामू में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इप्टा (IPTA) का 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के 500 से अधिक संस्कृतिकर्मी शामिल होंगे। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में अलग-अलग राज्यों की लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अलावा देशभर के कई नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से इस सम्मेलन को यादगार बनाएंगे।
- इप्टा के राष्ट्रीय सचिव शैलेंद्र कुमार ने बताया कि इप्टा ने अपने संस्कृति कर्म के जरिये प्रेम, दया, करुणा और जम्हूरियत के गीत गाये, इसलिये होने वाले इस सम्मेलन के लिये नारा दिया गया है 'आओ कि कोई ख्वाब बुनें कल के वास्ते'।
- इप्टा के राज्य महासचिव उपेंद्र मिश्रा ने बताया कि भले ही यह सम्मेलन इप्टा का हो, लेकिन यह पूरा आयोजन पलामू के सभी कलाकारों का है, जिसमें सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

2027 तक साइबर डिफेंस कॉरिडोर में होगा झारखंड

चर्चा में क्यों ?

21 नवंबर, 2022 को झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) सभागार में प्रोजेक्ट-आरंभ के तहत आयोजित कार्यशाला में कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम-इंडिया (सीईआरटी-इन) के महानिदेशक संजय बहल ने बताया कि अगले 10 वर्ष में एक मिलियन साइबर इंजीनियर तैयार करने का लक्ष्य है तथा वर्ष 2027 तक झारखंड को दुनिया के साइबर डिफेंस कॉरिडोर के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- संजय बहल ने बताया कि साइबर सुरक्षा के लिये झारखंड में पाँच बिलियन डॉलर निवेश आकर्षित करने का कार्य किया जा रहा है।
- उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम वैश्विक समस्या बन गई है और इससे निपटने के लिये सबको मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है। इस दिशा में क्लस्टर बना कर कार्य करने होंगे तथा इस ज्वलंत समस्या से निपटने के लिये देश में लगभग तीन लाख साइबर आर्मी की भी नियुक्ति की जायेगी।
- जेयूटी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव राहुल पुरवार ने बताया कि इस समस्या से निपटने के लिये गाँव-गाँव जाकर लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है तथा ट्रेनिंग टू ट्रेनर की व्यवस्था करनी होगी।
- उन्होंने बताया कि इस ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिये रोडमैप बनाने की आवश्यकता है तथा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम हेतु निर्धारित शुल्क राज्य सरकार की ओर से दिया जाएगा।

जमशेदपुर के अनंत राणा बने 'आयरन मैन'

चर्चा में क्यों ?

22 नवंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार गोवा में आयोजित आयरनमैन इंडिया 3 कंपीटीशन में झारखंड के जमशेदपुर में सोनारी के अनंत राणा ने इतिहास रचते हुए दुनिया की मुश्किल ट्राइथलॉन कंपीटीशन (साइकिलिंग, स्विमिंग व रनिंग) में 'आयरनमैन'का टैग हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि अनंत राणा टाटा स्टील में कार्यरत् हैं।

नोट :

- इस कंपीटीशन में अनंत राणा ने 9 कि.मी. स्विमिंग 36 मिनट में, 90 कि.मी. साइकिलिंग 2:52 घंटे में और 21 किमी. रनिंग 1:47 घंटे में पूरी करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर यह खिताब जीता है। उन्होंने तीनों स्पर्धाएँ कुल 5:27 घंटे में पूरी की।
- वहीं हैदराबाद के नेहाल बेग ने 4:29 घंटे में तीनों स्पर्धाओं को पूरा करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है।
- गोवा में आयोजित इस कंपीटीशन में पूरी दुनिया से कुल 1600 सुपर एथलीटों ने हिस्सा लिया था।
- उल्लेखनीय है कि आयरनमैन फेडरेशन पूरी दुनिया में इस कंपीटीशन का आयोजन करता है। इसमें शामिल तीनों स्पर्धाओं को 8:30 घंटे में पूरा करना होता है। निर्धारित समय में पूरा करने वाले एथलीट को 'आयरनमैन' का खिताब मिलता है। तीनों स्पर्धाओं की कुल दूरी 3 माइल होती है। इसलिये इसे 'आयरनमैन 70.3' कहा जाता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की चार खिलाड़ी चयनित

चर्चा में क्यों ?

23 नवंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की चार खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी और ब्यूटी डुंगडुंग को शामिल किया गया है। ये स्पेन में 27 नवंबर से आयोजित एफआईएच महिला हॉकी कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

प्रमुख बिंदु

- सिमडेगा ज़िला के सदर प्रखंड के अंतर्गत बड़की छपार गाँव की सलीमा टेटे के खेल की सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कई बार कर चुके हैं। उनके गाँव में आज भी लोगों को मोबाइल के टावर के लिये चटोन या पेड़ों का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में सलीमा ने कोसों पैदल चलकर या पिता सुलशन टेटे की साइकिल में बैठकर विद्यालय और गाँव की टीम से खस्सी कप, मुर्गा कप हॉकी प्रतियोगिताओं से हॉकी की शुरुआत की थी।
- सलीमा टेटे सिमडेगा की पहली महिला ओलंपियन हैं। इन्होंने विगत तीन-चार वर्षों में ही ओलंपिक गेम्स, वर्ल्ड कप, एशिया कप, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे कई बड़े टूर्नामेंटों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और अपने खेल से पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित किया।
- निक्की प्रधान खूंटी ज़िला के मोरो प्रखंड के अंतर्गत पेरोल गाँव की रहने वाली हैं, जहाँ आज तक एक खेल का मैदान तक नहीं है। निक्की ने यहाँ अपनी बड़ी बहनों से प्रेरणा लेकर हॉकी की शुरुआत की थी।
- निक्की झारखंड की पहली हॉकी खिलाड़ी हैं, जो दो-दो ओलंपिक खेल चुकी हैं। वह ओलंपिक गेम्स, वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गेम, एशिया कप सहित सभी बड़ी-बड़ी प्रतियोगिताओं में भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कई रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी हैं।
- संगीता कुमारी हॉकी की नर्सरी सिमडेगा ज़िला के केरसई प्रखंड अंतर्गत करगागुडी नवा टोली गाँव की रहने वाली हैं। बेहद गरीब परिवार से पल-बढ़कर बाँस की स्टिक और उसकी जड़ से हॉकी की शुरुआत करते हुए संगीता कुमारी विगत 1 साल में कॉमनवेल्थ गेम, एफआईएच हॉकी लीग सहित पूर्व में जूनियर एशिया कप जैसी कई प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।
- सिमडेगा ज़िला के ही केरसई प्रखंड के अंतर्गत खिलाड़ियों के गाँव करगागुड़ी बाजू टोली की रहने वाली ब्यूटी डुंगडुंग के परिवार के सदस्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी अच्छे हॉकी खिलाड़ी रहे हैं। उनका पूरा परिवार दादा, पिताजी, चाचा, तीन बड़े भाई, भाभी सभी-के-सभी राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रहे हैं। ब्यूटी साल 2018 से जूनियर भारतीय टीम से देश के लिये खेल रही हैं और इस वर्ष पहली बार सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के लिये चुनी गई हैं।

CUJ की पूजा कुमारी को मिला बेस्ट रिसर्च पेपर का अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

23 नवंबर, 2022 को भुवनेश्वर में संपन्न हुए तीनदिवसीय छठे राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (CUJ) के जन-संचार विभाग की शोधार्थी पूजा कुमारी को सेशन के बेस्ट रिसर्च पेपर के अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि तीनदिवसीय छठे राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन 21 से 23 नवंबर, 2022 को उत्कल यूनिवर्सिटी के द्वारा KIT भुवनेश्वर में किया गया था इस कॉन्क्लेव में पूरे देश से लगभग 100 रिसर्च पेपर्स, रिसर्च स्कॉलर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट और प्रोफेसर द्वारा प्रस्तुत किये गए।
- यह कॉन्क्लेव पाँच सेशन में बाँटा गया था, जिसमें पूजा कुमारी को सेशन के बेस्ट रिसर्च पेपर के अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- यह पेपर इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज, उत्कल यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित किताब 'मीडिया एंड कल्चर'में चैप्टर के रूप में प्रकाशित हुआ है।

राँची में एक्सपो उत्सव 2022 का आयोजन

चर्चा में क्यों?

24 नवंबर, 2022 को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने राँची के मोरहाबादी मैदान में एक्सपो उत्सव 2022 का उद्घाटन किया। यह उत्सव 28 नवंबर तक चलेगा। इस एक्सपो उत्सव में देश-दुनिया के कई बड़े ब्रांड शामिल हो रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस एक्सपो उत्सव का आयोजन राँची जूनियर चैंबर की ओर से किया गया है। एक्सपो उत्सव का यह सिल्वर जुबिली वर्ष है। इस साल एक्सपो में 325 स्टॉल लगेंगे।
- एक्सपो उत्सव में खाने के नए-नए आइटम होंगे। इस वर्ष 'अपना घर'के नाम से रियल एस्टेट के लिये अलग हैंगर होगा। स्टार्टअप ज़ोन के जरिये नये आंत्रप्रेन्योर को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिये पिंक हैंगर बनाया गया है, जिसमें लेडीज आंत्रप्रेन्योर होंगी।
- गौरतलब है कि इस साल एक्सपो उत्सव में बच्चों के लिये कई चीजों को लाया गया है। बच्चों के लिये एम्यूजमेंट पार्क बनाया गया है, जिसमें 15 से अधिक प्रकार के झूले लगाए गए हैं। एक्सपो में आने वाले लोगों के लिये एक क्यूआर कोड तैयार किया गया है, ताकि लोग इसे स्कैन करते ही सभी स्टॉल के बारे में जानकारी हासिल कर सकें।

झारखंड के 6 लोगों को मिलेगा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

25 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली स्थित संगीत नाटक अकादमी के सचिव एपी राजन ने 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (वर्ष 2019, 2020, 2021)' की घोषणा करते हुए बताया कि रंगमंच और संगीत के क्षेत्र में दखल रखनेवाली झारखंड की छह शख्सियतों को देश के प्रतिष्ठित 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार'के लिये चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- एपी राजन ने बताया कि इस वर्ष विभिन्न कला विधाओं से जुड़े देश भर के 128 लोगों व संस्थाओं का चयन अकादमी पुरस्कार के लिये किया गया है, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।
- राज्य से स्वतंत्र रंगकर्मी अजय मलकानी, रायकेला शैली के छऊ नृत्य गुरु सह कलाकार ब्रजेंद्र कुमार पटनायक तथा ट्राइबल फोक व म्यूजिक हेतु नायक टोली हटिया के महावीर नायक को अमृत अवॉर्ड के लिये, संथाली म्यूजिक हेतु जादूगोड़ा पूर्वी सिंहभूम के दुर्गा प्रसाद मुर्मू को संगीत नाटक अकादमी-2021 के लिये, सिमडेगा के जगदीश बड़ाईक को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार-2020 के लिये और बोकारो के बिनोद महतो को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार-2021 के लिये चुना गया है।
- गौरतलब है कि अजय मलकानी मारवाड़ी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर व राँची विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग के निदेशक पद से सेवानिवृत्त रंगकर्मी वर्तमान में एनएसडी एकेडमिक काउंसिल के सदस्य हैं। उन्हें थियेटर में निर्देशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय

नोट :

योगदान के लिये चुना गया है। वे नाट्य संस्था युवा रंगमंच के संस्थापक हैं और देश भर में मंचित 50 से भी ज्यादा नाटकों का निर्देशन कर चुके हैं।

- ज्ञातव्य है कि मलकानी राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से 1986 में निर्देशन में डिप्लोमा करनेवाले संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सैलरी एंड प्रोडक्शन ग्रांट कमेटी के सदस्य, झारखंड सरकार की फिल्म नीति के अंतर्गत तकनीकी सलाहकार परिषद के सदस्य व गोवा में आयोजित 48वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2017 के फिल्म रिव्यू के सदस्य भी रहे हैं।

झारखंड का शेफील्ड कहा जाने वाला भेंडरा में बनेगा फैसिलिटी कॉमन सेंटर

चर्चा में क्यों?

29 नवंबर, 2022 को झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने बताया कि केंद्र सरकार की स्फूर्ति योजना के तहत लगभग दो करोड़ रुपए से राज्य के बोकारो के भेंडरा में फैसिलिटी कॉमन सेंटर की स्थापना होगी, जिसके लिये भेंडरा में 50 डिसमिल भूमि चिह्नित की गई है।

प्रमुख बिंदु

- मंत्री जगरनाथ महतो ने बताया कि राज्य की लौह नगरी भेंडरा के कुटीर उद्योग को विकसित करने पर कार्य चल रहा है। इसके लिये आईआईटी आइएसएम धनबाद के अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर की सीईओ डॉ. आकांक्षा सिन्हा के नेतृत्व वाली टीम ने प्रोजेक्ट तैयार किया है।
- विदित है कि भेंडरा को झारखंड का शेफील्ड कहा जाता है। डॉ. आकांक्षा सिन्हा ने बताया कि यदि भेंडरा को ट्रेडमार्क मिल जाता है तो इसकी पहचान राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में बन सकेगी।
- उन्होंने बताया कि आईआईटी की टीम ने एक माह तक भेंडरा गाँव का सर्वेक्षण कर एक प्रोजेक्ट बनाया है, जिसमें पारंपरिक तकनीक का आधुनिकीकरण कर इस उद्योग को विकसित करने की योजना है।
- ज्ञातव्य है कि भेंडरा में शेरशाह के काल से उनकी सेना के लिये हथियार बनाए जाते थे और वर्तमान में भी पारंपरिक तकनीक से तलवार, भाला, कटार, फरसा, कुल्हाड़ी, हसुआ, हथौड़ा, चाकू, बैसुली, कुदाल आदि बनाए जाते हैं। ये औजार कोयला पर लोहे को गर्म करने के बाद हथौड़े से पीट-पीट कर बनाए जाते हैं। गाँव के लगभग 200 घरों में यह कार्य होता है, जिसमें लगभग 150 कारीगर और 300 मज़दूर प्रतिदिन बिना सुरक्षा के लौह सामग्री बनाते हैं तथा इन्हें उचित मज़दूरी भी नहीं मिल पाती है।
- भेंडरा में बनने वाले फैसिलिटी कॉमन सेंटर के लिये वहाँ के कुशल कारीगरों को प्रशिक्षित कर आधुनिक तकनीक से लौह सामग्री बनाने की कला सिखाई जाएगी, जिससे कम खर्च में बेहतर सामान का निर्माण हो सकेगा। इसके अलावा कारीगरों व मज़दूरों की सुरक्षा भी होगी।
- फैसिलिटी कॉमन सेंटर में समीप की जामुनिया नदी से पानी, पास के विद्युत सब स्टेशन से बिजली, नज़दीकी शहरों से कच्ची लौह सामग्री और सीसीएल कोलियरी से कोयला की आपूर्ति होगी। भेंडरा निर्मित लौह सामग्री की पहचान के लिये ट्रेडमार्क की भी स्वीकृति दिलाई जाएगी। वर्तमान में भेंडरा में बने सामान को व्यापारी कोलकाता ले जाते हैं और वहाँ कुछ काम कर सामान पर अपनी मार्किंग कर मूल्य तय करते हैं।
- जगरनाथ महतो ने बताया कि केंद्र सरकार के पास प्रोजेक्ट भेज कर स्वीकृति दिलाने का प्रयास होगा तथा प्रोजेक्ट के धरातल पर उतरने के बाद भेंडरा की देश भर में प्रसिद्धि होगी और साथ ही यहाँ के कारीगरों, मज़दूरों एवं व्यापारियों का उत्थान होगा।

नोट :